National Cooperative Spice Fair 2026 and Cooperative Product Marketing in Rajasthan. Jaipur's National Cooperative Spice Fair 2026 Sets New Sales Record

The 10-day long National Cooperative Spice Fair 2016, held by the Cooperative Department and CONFED at Jawahar Kala Kendra, Jaipur, was a huge success with sales of over ₹5.50 crore. It is the highest sale ever in the fair and almost ₹1.25 crore more than last year. It is significant from the RAS examination perspective because it emphasised the role of cooperative institutions in rural marketing, consumer education, organic food, Shri Anna products, One District One Product (ODOP) and Geographical Indication (GI) products. It also highlighted the increased involvement of Gram Seva Cooperative Societies and Farmer Producer Organisations in the cooperative business of Rajasthan.

Highlights of National Cooperative Spice Fair 2026

- The event was held for 10 days at Jawahar Kala Kendra, Jaipur.
- CONFED and Cooperative Department were the organisers.
- Sales of the fair were over ₹5.50 crore.
- It is the highest sales in the fair's history.

- This figure was almost ₹1.25 crore more than last year.
- Some 160 stalls were constructed for the display and sale of products.
- This was the highest number of stalls ever.
- This was around 40 more than last year.
- Trolley service was provided for the first time to the consumers.
- There was also a generic medicine awareness stall for the first time.

New Initiatives in the Fair

Consumer Convenience

- Visitors were provided with trolley service.
- Many cooperative groups and product groupings were brought together.
- Public Awareness
- A generic medicine awareness stall was set up to increase public awareness.
- The stall was meant to propagate the use of generic medicines by the general public.
- Promotion of Local and Traditional Products
- Organic products were available at the exhibition.
- Shri Anna's products were made available.
- One District One Product items were promoted.
- Geographical Indication (GI) products were also available.

Role of Cooperative Institutions

The fair marked the increasing importance of Rajasthan's cooperative institutions. Gram Seva Cooperative Societies and Farmer Producer Organisations (FPOs) were actively involved for the first time. This is important as it links farmers, cooperative marketing bodies and consumers. It also promotes local products, rural enterprise and localised development.

Awards for Best Performance

- Greatest Sales among Apex Institutions
- CONFED was number one.
- Tilam Sangh came second.
- RCDF Jaipur Dairy secured the third position.

District Consumer Stores

- Kota secured the first position
- Udaipur secured the second position.
- Baran secured the third position.
- Purchase and Sale Cooperative Societies
- Mathania secured the first position.
- Bilara secured the second position.

RASonly

- Nagaur secured the third position.

Gram Seva Cooperative Societies

- Palsana Gram Seva Cooperative Society, Sikar bagged the first position.
- Second position went to Nimod Gram Seva Cooperative Society.

Innovation Category

- Sundra Gram Seva Cooperative Society of Barmer district was the best in the innovation category.

Awards in Layout Categories

Apex Institutions

- CONFED is first.
- Apex Bank confined the second position.
- RCDF secured the third position.
- District Consumer Stores
- Udaipur secured the first position.
- Bhilwara came second.
- Bhilwara secured the second position.

Purchase and Sale Cooperative Societies

- Nagaur ranked first.
- Ajmer stood at second place.
- Sojat Road came at third.

Importance for RAS Examination

- It reflects the importance of cooperatives in the rural areas of Rajasthan.
- It shows the role of cooperative marketing in product promotion.
- It promotes the welfare of consumers through generic medicines.
- It encourages the promotion of organic products, Shri Anna products, ODOP products and GI tagged products.
- It reflects institutional involvement by apex organisations, district consumer outlets, purchase-sale societies and Gram Seva Cooperative Societies.
- It demonstrates the empowerment of rural producers and cooperatives in the state.

Conclusion

The National Cooperative Spice Fair 2026 emerged as a key instance of cooperative marketing in Rajasthan. It had high sales, more stalls, new amenities for consumers and involvement of rural cooperative institutions. This event connected the producers with the consumers and promoted local, organic, traditional and GI tagged products.

RASonly

MCQs

1. Which institution topped the highest sales category amongst apex institutions in the National Cooperative Spice Fair 2026?

A. RCDF Jaipur Dairy

B. Tilam Sangh

C. CONFED

D. Apex Bank

Answer: C

Explanation: CONFED won the first place in the highest sales category of apex institutions at the National Cooperative Spice Fair 2026. Tilam Sangh was runner-up and RCDF Jaipur Dairy was third.

2. What was the turnover of the National Cooperative Spice Fair 2026?

A. More than ₹4.25 crore

B. More than ₹5.50 crore

C. More than ₹6.75 crore

D. More than ₹3.50 crore

Answer: B

Explanation : The National Cooperative Spice Fair 2016 sales were more than ₹5.50 crore. It is the highest sale in the history of the fair and nearly ₹1.25 crore more than the last year.

3. Which Gram Seva Cooperative Society won the award for innovation?

A. Palsana Gram Seva Cooperative Society

B. Nimod Gram Seva Cooperative Society

C. Sundra Gram Seva Cooperative Society

D. Mathania Cooperative Society

Answer: C

RASonly

Explanation : Sundra Gram Seva Cooperative Society of Barmer district won the award for best innovation. Palsana and Nimod won the award in the Gram Seva Cooperative Society sales category.

राष्ट्रीय सहकार मसाला मेला 2026 और राजस्थान में सहकारी उत्पाद विपणन,जयपुर के राष्ट्रीय सहकार मसाला मेला 2026 ने बनाया बिक्री का नया रिकॉर्ड

सहकारिता विभाग और कॉनफेड द्वारा जयपुर के जवाहर कला केन्द्र में आयोजित दस दिवसीय **राष्ट्रीय सहकार मसाला मेला 2026** ₹5.50 करोड़ से अधिक की बिक्री के साथ सफल रहा। यह मेले के इतिहास की अब तक की सर्वाधिक बिक्री है और पिछले वर्ष की तुलना में लगभग ₹1.25 करोड़ अधिक है। आरएएस परीक्षा की दृष्टि से यह मेला महत्वपूर्ण है, क्योंकि इससे ग्रामीण विपणन, उपभोक्ता जागरूकता, जैविक उत्पाद, श्री अन्न उत्पाद, एक जिला एक उत्पाद तथा भौगोलिक संकेतक उत्पादों के प्रचार में सहकारी संस्थाओं की भूमिका स्पष्ट होती है। इस मेले ने राजस्थान की सहकारी अर्थव्यवस्था में ग्राम सेवा सहकारी समितियों और कृषक उत्पादक संगठनों की बढ़ती भागीदारी को भी रेखांकित किया।

राष्ट्रीय सहकार मसाला मेला 2026 की प्रमुख विशेषताएं

• यह मेला जयपुर के जवाहर कला केन्द्र में 10 दिनों तक आयोजित किया गया।

• इसका आयोजन सहकारिता विभाग और कॉनफेड द्वारा किया गया।

• मेले में ₹5.50 करोड़ से अधिक की बिक्री हुई।

• यह मेले के इतिहास की अब तक की सर्वाधिक बिक्री है।

• यह आंकड़ा पिछले वर्ष की तुलना में लगभग ₹1.25 करोड़ अधिक रहा।

• उत्पादों की प्रदर्शनी और बिक्री के लिए लगभग 160 स्टॉल लगाए गए।

• यह अब तक की सर्वाधिक स्टॉल संख्या रही।

• यह संख्या पिछले वर्ष की तुलना में लगभग 40 अधिक थी।

• उपभोक्ताओं की सुविधा के लिए पहली बार ट्रॉली सेवा उपलब्ध कराई गई।

• पहली बार जेनेरिक दवा जागरूकता स्टॉल भी लगाया गया।

मेले में किए गए नए प्रयास

उपभोक्ता सुविधा

• आगंतुकों के लिए ट्रॉली सेवा उपलब्ध कराई गई।

• अनेक सहकारी संस्थाओं और उत्पाद समूहों को एक मंच पर लाया गया।

RASonly

जन-जागरूकता

• जन-जागरूकता बढ़ाने के लिए जेनेरिक दवा जागरूकता स्टॉल लगाया गया।

• इस स्टॉल का उद्देश्य आमजन में जेनेरिक दवाओं के उपयोग को बढ़ावा देना था।

स्थानीय और पारंपरिक उत्पादों को बढ़ावा

• मेले में जैविक उत्पाद उपलब्ध कराए गए।

• श्री अन्न उत्पादों को उपलब्ध कराया गया।

• एक जिला एक उत्पाद सामग्री को बढ़ावा दिया गया।

• भौगोलिक संकेतक उत्पाद भी उपलब्ध कराए गए।

सहकारी संस्थाओं की भूमिका

इस मेले ने राजस्थान की सहकारी संस्थाओं के बढ़ते महत्व को दर्शाया। पहली बार ग्राम सेवा सहकारी समितियों और कृषक उत्पादक संगठनों ने प्रभावी भागीदारी की। यह महत्वपूर्ण है, क्योंकि इससे किसानों, सहकारी विपणन संस्थाओं और उपभोक्ताओं के बीच सीधा जुड़ाव बनता है। इससे स्थानीय उत्पादों, ग्रामीण उद्यमिता और स्थानीय स्तर पर विकास को बढ़ावा मिलता है।

श्रेष्ठ प्रदर्शन के लिए पुरस्कृत संस्थाएं

शीर्ष संस्थाओं में सर्वाधिक बिक्री

• कॉनफेड प्रथम स्थान पर रहा।

• तिलम संघ द्वितीय स्थान पर रहा।

• आरसीडीएफ जयपुर डेयरी तृतीय स्थान पर रही।

जिला उपभोक्ता भंडार

• कोटा प्रथम स्थान पर रहा।

• उदयपुर द्वितीय स्थान पर रहा।

• बारां तृतीय स्थान पर रहा।

क्रय-विक्रय सहकारी समितियां

• मथानिया प्रथम स्थान पर रही।

• बिलाड़ा द्वितीय स्थान पर रही।

• नागौर तृतीय स्थान पर रही।

ग्राम सेवा सहकारी समितियां

• पलसाना ग्राम सेवा सहकारी समिति, सीकर प्रथम स्थान पर रही।

• निमोद ग्राम सेवा सहकारी समिति द्वितीय स्थान पर रही।

RASonly

नवाचार श्रेणी

• बाड़मेर जिले की सुंदरा ग्राम सेवा सहकारी समिति को नवाचार श्रेणी में उत्कृष्ट कार्य के लिए पुरस्कृत किया गया।

लेआउट श्रेणियों में पुरस्कार

शीर्ष संस्थाएं

• कॉनफेड प्रथम स्थान पर रहा।

• अपेक्स बैंक द्वितीय स्थान पर रहा।

• आरसीडीएफ तृतीय स्थान पर रहा।

जिला उपभोक्ता भंडार

• उदयपुर प्रथम स्थान पर रहा।

• भीलवाड़ा द्वितीय स्थान पर रहा।

• बाड़मेर तृतीय स्थान पर रहा।

क्रय-विक्रय सहकारी समितियां

• नागौर प्रथम स्थान पर रही।

• अजमेर द्वितीय स्थान पर रही।

• सोजत रोड तृतीय स्थान पर रही।

आरएएस परीक्षा के लिए महत्व

• यह राजस्थान की ग्रामीण अर्थव्यवस्था में सहकारिता के महत्व को दर्शाता है।

• यह उत्पादों के प्रचार-प्रसार में सहकारी विपणन की भूमिका को स्पष्ट करता है।

• यह जेनेरिक दवाओं के माध्यम से उपभोक्ता हितों को बढ़ावा देता है।

• यह जैविक उत्पादों, श्री अन्न उत्पादों, एक जिला एक उत्पाद सामग्री और भौगोलिक संकेतक उत्पादों को प्रोत्साहित करता है।

• यह शीर्ष संस्थाओं, जिला उपभोक्ता भंडारों, क्रय-विक्रय सहकारी समितियों और ग्राम सेवा सहकारी समितियों की संस्थागत भागीदारी को दर्शाता है।

• यह राज्य में ग्रामीण उत्पादकों और सहकारी संस्थाओं के सशक्तिकरण को प्रदर्शित करता है।

निष्कर्ष

राष्ट्रीय सहकार मसाला मेला 2026 राजस्थान में सहकारी विपणन का एक महत्वपूर्ण उदाहरण बनकर सामने आया। अधिक बिक्री, अधिक स्टॉल, उपभोक्ताओं के लिए नई सुविधाएं और ग्रामीण सहकारी संस्थाओं की भागीदारी ने इसे विशेष बनाया। इस आयोजन ने उत्पादकों को उपभोक्ताओं से जोड़ा और स्थानीय, जैविक, पारंपरिक तथा भौगोलिक संकेतक उत्पादों को बढ़ावा दिया।

RASonly

बहुविकल्पीय प्रश्न

1. राष्ट्रीय सहकार मसाला मेला 2026 में शीर्ष संस्थाओं की सर्वाधिक बिक्री श्रेणी में किस संस्था ने प्रथम स्थान प्राप्त किया?

A. आरसीडीएफ जयपुर डेयरी
B. तिलम संघ
C. कॉनफेड
D. अपेक्स बैंक

उत्तर: C

व्याख्या: राष्ट्रीय सहकार मसाला मेला 2026 में शीर्ष संस्थाओं की सर्वाधिक बिक्री श्रेणी में कॉनफेड ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। तिलम संघ द्वितीय स्थान पर रहा, जबकि आरसीडीएफ जयपुर डेयरी ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

---

2. राष्ट्रीय सहकार मसाला मेला 2026 में कुल कितनी बिक्री दर्ज की गई?

A. ₹4.25 करोड़ से अधिक
B. ₹5.50 करोड़ से अधिक
C. ₹6.75 करोड़ से अधिक
D. ₹3.50 करोड़ से अधिक

उत्तर: B

व्याख्या: राष्ट्रीय सहकार मसाला मेला 2026 में ₹5.50 करोड़ से अधिक की बिक्री दर्ज की गई। यह मेले के इतिहास की अब तक की सर्वाधिक बिक्री रही और पिछले वर्ष की तुलना में लगभग ₹1.25 करोड़ अधिक थी।

---

3. नवाचार श्रेणी में किस ग्राम सेवा सहकारी समिति को पुरस्कृत किया गया?

A. पलसाना ग्राम सेवा सहकारी समिति
B. निमोद ग्राम सेवा सहकारी समिति
C. सुंदरा ग्राम सेवा सहकारी समिति
D. मथानिया सहकारी समिति

उत्तर: C

व्याख्या: बाड़मेर जिले की सुंदरा ग्राम सेवा सहकारी समिति को नवाचार श्रेणी में उत्कृष्ट कार्य के लिए पुरस्कृत किया गया। पलसाना और निमोद ग्राम सेवा सहकारी समितियों को ग्राम सेवा सहकारी समिति बिक्री श्रेणी में सम्मानित किया गया।

RASonly

Village Development Officers a Foundation of Good Governance and Viksit Rajasthan

Rajasthan can only become prosperous through good governance, and Village Development Officers are the key to village development, said Chief Minister Bhajanlal Sharma. Speaking at the felicitation ceremony of Rajasthan Village Development Officers Association at his residence in Jaipur, he said the officers play a pivotal role in reaching out to the beneficiaries of government welfare schemes. The Chief Minister linked the role of Village Development Officers in rural development, women empowerment, new agriculture and administrative reforms with Viksit Bharat and Viksit Rajasthan.

Village Development Officers in Rural Development

- Village Development Officers help in delivering welfare schemes to needy people.
- They help in realising the dreams of rural people.
- They play a key role in the implementation of important Central and State Government schemes.
- Chief Minister said that the Village Development Officers are the pillars of village development.
- He pointed out that the Sarpanch and the Village Development Officer are two links in village governance.

Good Governance and Public Service

- Good governance is the key to make Rajasthan prosperous, said the Chief Minister.
- He said that the administrative philosophy is "Citizen Devo Bhava".
- Village Development Officers were praised for their service to people.
- Mission Karmayogi was recognised as a programme to enhance the skill and competency of government employees.

The Chief Minister highlighted that government employees are working towards Viksit Bharat and Viksit Rajasthan.

Chief Minister's Highlights of Government Programs

Water and Electricity Projects

- The State Government has initiated various projects to supply water and electricity.
- The government is fast-tracking work on key projects like the Ramjal Setu Link Project.
- Power generation is being boosted to supply electricity during the day to farmers.

Industrial Development and Employment

- Rising Rajasthan has attracted industries.
- It has facilitated the setting up of industries.
- The State Government is providing plenty of opportunities for government (sarkari) jobs to the young generation.

Self-reliance for Street Vendors

- The PM SVANidhi Scheme is empowering and making self-reliant street vendors.

Village-Level Scheme Implementation

Village Development Officers are assisting in the dissemination of various schemes like Pradhan Mantri Awas Yojana, Swachh Bharat Mission, SVAMITVA Scheme and other welfare schemes. The Chief Minister also noted that the State Government is promoting dairy based activities, helping livestock farmers and empowering women through Rajeevika.

GRAM-2026 and Modernising Agriculture

- The State Government will host the Global Rajasthan Agritech Meet (GRAM-2026) from 23-25 May.

RASonly

- It will help in enhancing the income of farmers and improving the agriculture sector.
- The Chief Minister called on Village Development Officers to be involved in key activities of GRAM-2026.
- The event is significant to empower farmers and bring new techniques in farming.

Chief Minister Viksit Gram-Shahari Ward Abhiyan

- The Chief Minister Viksit Gram-Shahari Ward Abhiyan has been launched.
- This campaign will see reports being prepared for each village and ward.
- These will assist the preparation of a development plan for the village an the ward.

• The Chief Minister urged all to join hands to make Rajasthan the best.

Reforms for Village Development Officer Cadre

- Barriers in promotions for the Village Development Officer cadre have been removed.
- The cadre has been strengthened by creating the post of Senior Village Development Officer.
- 2 years' experience has been relaxed to enable timely promotions.
- The maximum gratuity has been raised from ₹20 lakh to ₹25 lakh.
- A high-level committee will be established to look into promotion and pay scale in the Budget 2026-27.
- In the future, the committee will also recommend the recommendations of the Eighth Pay Commission.
- State service officers will be given international training.
- This will enable them to shift from a rule-based to role-based work culture with the Karmayogi spirit.

Importance for RAS Examination

- It is significant in rural administration or Panchayati Raj.
- It highlights the role of Village Development Officers in implementing schemes.
- It relates good governance to implementation of welfare schemes.
- It has themes of administrative reforms, rural development, modernisation of agriculture and employee welfare.
- And it resonates with Rajasthan's present governance agendas, such as Viksit Gram-Shahari Ward Abhiyan and GRAM-2026.

RASonly

Conclusion

Chief Minister Bhajanlal Sharma emphasised the pivotal role of Village Development Officers in rural governance and development. The event connected good governance, welfare programs, agricultural reforms, employee reforms and local development planning in a reflection of the State Government's emphasis on bringing Rajasthan to the status of a developed and prosperous state through the active administration of the grassroots.

MCQs

1. Chief Minister Bhajanlal Sharma said that the foundation of village development is?

A. District Collector

B. Village Development Officer

C. Tehsildar

D. Patwari

Answer: B

Explanation: Chief Minister Bhajanlal Sharma said the Village Development Officers are the building blocks of village development. He said they help in the implementation of welfare schemes for the poor, in the realisation of the dreams of the rural people and play a vital role in the execution of schemes of the Central and State Governments at the grassroots level.

2. What is the focus of GRAM-2026 as mentioned by the Chief Minister?

A. To promote urban transport

B. To transform agriculture and boost farmers' income

C. To develop tourism facilities

D. To modernise police administration

Answer: B

Explanation: The Global Rajasthan Agritech Meet (GRAM-2026) will take place from May 23-25. The Chief Minister said that the purpose of the event is to boost farmers' earnings and bring about agricultural transformation. He also called upon Village Development Officers to actively participate in this event.

3. What has been done to increase the limit of gratuity to employees?

RASonly

A. From ₹15 lakh to ₹20 lakh

B. Increased from ₹20 lakh to ₹25 lakh

C. Increased from ₹25 lakh to ₹30 lakh

D. Increased from ₹10 lakh to ₹15 lakh

Answer: B

Explanation : The Chief Minister said the State Government has raised the gratuity limit from ₹20 lakh to ₹25 lakh. This was mentioned as part of various initiatives to improve the conditions for employees including the removal of bottlenecks in promotions, introduction of the post of Senior Village Development Officer and a 2-year relaxation in experience for timely promotions.

सुशासन और विकसित राजस्थान में ग्राम विकास अधिकारियों की भूमिका

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राजस्थान केवल सुशासन के माध्यम से ही समृद्ध बन सकता है और ग्राम विकास अधिकारी गांवों के विकास की महत्वपूर्ण कड़ी हैं। जयपुर स्थित मुख्यमंत्री निवास पर राजस्थान ग्राम विकास अधिकारी संघ के अभिनंदन समारोह को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि ग्राम विकास अधिकारी सरकारी जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पात्र व्यक्तियों तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। मुख्यमंत्री ने ग्रामीण विकास, महिला सशक्तीकरण, नई कृषि व्यवस्था और प्रशासनिक सुधारों में ग्राम विकास अधिकारियों की भूमिका को विकसित भारत और विकसित राजस्थान की संकल्पना से जोड़ा।

ग्रामीण विकास में ग्राम विकास अधिकारियों की भूमिका

• ग्राम विकास अधिकारी जरूरतमंद लोगों तक जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाने में सहायता करते हैं।

• वे ग्रामीण लोगों के सपनों को पूरा करने में योगदान देते हैं।

• वे केंद्र और राज्य सरकार की महत्वपूर्ण योजनाओं के क्रियान्वयन में प्रमुख भूमिका निभाते हैं।

• मुख्यमंत्री ने कहा कि ग्राम विकास अधिकारी गांवों के विकास के स्तंभ हैं।

• उन्होंने बताया कि सरपंच और ग्राम विकास अधिकारी ग्राम शासन की दो महत्वपूर्ण कड़ियां हैं।

सुशासन और जनसेवा

• मुख्यमंत्री ने कहा कि राजस्थान को समृद्ध बनाने की कुंजी सुशासन है।

• उन्होंने प्रशासनिक विचारधारा को “नागरिक देवो भव” बताया।

• ग्राम विकास अधिकारियों की जनसेवा के लिए सराहना की गई।

RASonly

• मिशन कर्मयोगी को सरकारी कर्मचारियों के कौशल और कार्यक्षमता को बढ़ाने वाला कार्यक्रम बताया गया।

• मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकारी कर्मचारी विकसित भारत और विकसित राजस्थान के लक्ष्य को पूरा करने की दिशा में कार्य कर रहे हैं।

मुख्यमंत्री द्वारा रेखांकित सरकारी कार्यक्रम

पानी और बिजली परियोजनाएं

• राज्य सरकार ने पानी और बिजली की आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए विभिन्न परियोजनाएं शुरू की हैं।

• रामजल सेतु लिंक परियोजना जैसी महत्वपूर्ण परियोजनाओं पर तेजी से कार्य किया जा रहा है।

• किसानों को दिन में बिजली उपलब्ध कराने के लिए ऊर्जा उत्पादन बढ़ाया जा रहा है।

औद्योगिक विकास और रोजगार

• राइजिंग राजस्थान ने राज्य में उद्योगों को आकर्षित किया है।

• इससे उद्योगों की स्थापना का मार्ग प्रशस्त हुआ है।

• राज्य सरकार युवाओं को सरकारी नौकरियों के पर्याप्त अवसर उपलब्ध करा रही है।

पथ-विक्रेताओं के लिए आत्मनिर्भरता

• प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना पथ-विक्रेताओं को आर्थिक रूप से सशक्त और आत्मनिर्भर बना रही है।

गांव स्तर पर योजनाओं का क्रियान्वयन

ग्राम विकास अधिकारी प्रधानमंत्री आवास योजना, स्वच्छ भारत मिशन, स्वामित्व योजना और अन्य जनकल्याणकारी योजनाओं को आमजन तक पहुंचाने में सहायता कर रहे हैं। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि राज्य सरकार डेयरी आधारित कार्यों को बढ़ावा दे रही है, पशुपालकों की सहायता कर रही है और राजीविका के माध्यम से महिला सशक्तीकरण को प्रोत्साहित कर रही है।

ग्राम-2026 और कृषि आधुनिकीकरण

• राज्य सरकार 23 से 25 मई तक ग्लोबल राजस्थान एग्रीटेक मीट, अर्थात ग्राम-2026, का आयोजन करेगी।

• यह आयोजन किसानों की आय बढ़ाने और कृषि क्षेत्र को आधुनिक बनाने में सहायक होगा।

• मुख्यमंत्री ने ग्राम विकास अधिकारियों से ग्राम-2026 की महत्वपूर्ण गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी करने का आह्वान किया।

• यह आयोजन किसानों को सशक्त बनाने और खेती में नई तकनीकों को लाने की दृष्टि से महत्वपूर्ण है।

मुख्यमंत्री विकसित ग्राम-शहरी वार्ड अभियान

• मुख्यमंत्री विकसित ग्राम-शहरी वार्ड अभियान शुरू किया गया है।

RASonly

• इस अभियान के अंतर्गत प्रत्येक गांव और वार्ड के लिए रिपोर्ट तैयार की जाएगी।

• इन रिपोर्टों से गांव और वार्ड के विकास की योजना तैयार करने में सहायता मिलेगी।

• मुख्यमंत्री ने राजस्थान को सर्वश्रेष्ठ बनाने के लिए सभी से मिलकर कार्य करने का आग्रह किया।

ग्राम विकास अधिकारी संवर्ग के लिए सुधार

• ग्राम विकास अधिकारी संवर्ग की पदोन्नतियों में आने वाली बाधाएं दूर की गई हैं।

• वरिष्ठ ग्राम विकास अधिकारी पद का सृजन करके संवर्ग को मजबूत किया गया है।

• समय पर पदोन्नति सुनिश्चित करने के लिए अनुभव में 2 वर्ष की छूट दी गई है।

• ग्रेच्युटी की अधिकतम सीमा ₹20 लाख से बढ़ाकर ₹25 लाख कर दी गई है।

• बजट 2026-27 में पदोन्नति और वेतनमान से जुड़े विषयों के अध्ययन के लिए उच्च स्तरीय समिति गठित करने का निर्णय लिया गया है।

• भविष्य में यह समिति आठवें वेतन आयोग की सिफारिशों पर भी विचार करेगी।

• राज्य सेवा के अधिकारियों को अंतरराष्ट्रीय स्तर का प्रशिक्षण दिया जाएगा।

• इससे अधिकारी कर्मयोगी भावना के साथ नियम-आधारित कार्यशैली से भूमिका-आधारित कार्यशैली की ओर आगे बढ़ेंगे।

आरएएस परीक्षा के लिए महत्व

• यह विषय ग्रामीण प्रशासन और पंचायती राज के लिए महत्वपूर्ण है।

• यह योजनाओं के क्रियान्वयन में ग्राम विकास अधिकारियों की भूमिका को स्पष्ट करता है।

• यह सुशासन को जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन से जोड़ता है।

• इसमें प्रशासनिक सुधार, ग्रामीण विकास, कृषि आधुनिकीकरण और कर्मचारी कल्याण जैसे विषय शामिल हैं।

• यह राजस्थान की वर्तमान शासन प्राथमिकताओं, जैसे विकसित ग्राम-शहरी वार्ड अभियान और ग्राम-2026, से भी जुड़ा है।

निष्कर्ष

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने ग्रामीण शासन और विकास में ग्राम विकास अधिकारियों की केंद्रीय भूमिका पर बल दिया। यह कार्यक्रम सुशासन, जनकल्याणकारी योजनाओं, कृषि सुधारों, कर्मचारी हितों और स्थानीय विकास योजना को एक साथ जोड़ता है। इससे स्पष्ट होता है कि राज्य सरकार सक्रिय जमीनी प्रशासन के माध्यम से राजस्थान को विकसित और समृद्ध राज्य बनाने पर बल दे रही है।

बहुविकल्पीय प्रश्न

1. मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के अनुसार गांव के विकास का आधार कौन है?

RASonly

A. जिला कलेक्टर
B. ग्राम विकास अधिकारी
C. तहसीलदार
D. पटवारी

उत्तर: B

व्याख्या: मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने ग्राम विकास अधिकारियों को गांव के विकास का आधार बताया। उन्होंने कहा कि वे गरीब और जरूरतमंद लोगों तक जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाने, ग्रामीण लोगों के सपनों को पूरा करने और केंद्र तथा राज्य सरकार की योजनाओं को जमीनी स्तर पर लागू करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

---

2. मुख्यमंत्री के अनुसार ग्राम-2026 का मुख्य उद्देश्य क्या है?

A. शहरी परिवहन को बढ़ावा देना
B. कृषि को आधुनिक बनाना और किसानों की आय बढ़ाना
C. पर्यटन सुविधाओं का विकास करना
D. पुलिस प्रशासन को आधुनिक बनाना

उत्तर: B

व्याख्या: ग्लोबल राजस्थान एग्रीटेक मीट, अर्थात ग्राम-2026, का आयोजन 23 से 25 मई तक किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस आयोजन का उद्देश्य किसानों की आय बढ़ाना और कृषि क्षेत्र को आधुनिक बनाना है। उन्होंने ग्राम विकास अधिकारियों से इस आयोजन में सक्रिय भूमिका निभाने का भी आह्वान किया।

---

3. कर्मचारियों के लिए ग्रेच्युटी की सीमा में क्या परिवर्तन किया गया है?

A. ₹15 लाख से बढ़ाकर ₹20 लाख
B. ₹20 लाख से बढ़ाकर ₹25 लाख
C. ₹25 लाख से बढ़ाकर ₹30 लाख
D. ₹10 लाख से बढ़ाकर ₹15 लाख

उत्तर: B

व्याख्या: मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ने ग्रेच्युटी की सीमा ₹20 लाख से बढ़ाकर ₹25 लाख कर दी है। इसे कर्मचारी हितों से जुड़े विभिन्न कदमों के साथ रखा गया, जिनमें पदोन्नति की बाधाएं दूर करना, वरिष्ठ ग्राम विकास अधिकारी पद का सृजन करना और समयबद्ध पदोन्नति के लिए अनुभव में 2 वर्ष की छूट देना शामिल है।

RASonly

Retired Judges and Mediation, Legal Awareness and Accessible Justice

The Association of Retired Judges and Rajasthan State Legal Services Authority held a seminar at Constitution Club in Jaipur on the contribution of retired judges in spreading alternative dispute resolution and legal literacy among people. Supreme Court Chief Justice Justice Surya Kant said that the young generation should take a lesson from the retired judges as they are a library. Chief Minister Bhajanlal Sharma also requested the people to go to mediations centres or Lok Adalats before appearing in court. The conference is significant for the RAS exam as it focuses on legal services, mediation, Lok Adalat, judicial experience, access to justice and judicial innovation in Rajasthan.

What's in the conference

- It was convened by the Association of Retired Judges (ARJ) and Rajasthan State Legal Services Authority.
- It was held at Constitution Club, Jaipur.
- The conference was on the topic of “The Bench Beyond Retirement: Role of Retired Judges in Promotion of Alternative Dispute Resolution and Legal Awareness among the General Public".
- Chief Justice of the Supreme Court, Justice Surya Kant, delivered a speech.
- Rajasthan Chief Minister Bhajanlal Sharma also spoke at the conference.

- Rajasthan High Court's initiative as Uniform Registration Number System was launched.
- A book containing articles of former judges of the Supreme Court and High Courts was launched.
- Multi-utility vehicles were launched to improve legal services.

CJI Justice Surya Kant's Perspective

Senior Judges a Source of Wisdom

- Justice Surya Kant said elders are like a stepwell in a society.
- They can give the right answer to a problem when required.
- Judge is always a judge, he said.
- Senior judges are a source of knowledge to the young generation.
- It is important for the young generation to learn something new every day.
- Mediation and Lok Adalat
- Mediation in Lok Adalats by retired judges is bringing a positive change.
- Mediation may offer a fast track solution to a problem.
- Justice Surya Kant welcomed the Chief Minister's request to go to Lok Adalats before to court.

Chief Minister's Address

Role of Judges in Society

• Chief Minister Bhajanlal Sharma said that judges' words are followed in society.

• The words of judges form the basis for social change.

• He added that many landmark judgments of the Supreme Court and High Courts have brought positive change in the life of crores of people.

• He urged people to go to mediation centre or Lok Adalat before going to court.

• He appealed to the young people to seek the help of elderly and experienced people for the welfare of society and the country.

Judiciary is a Strong Pillar of Democracy

- The Chief Minister said that the judiciary is a strong pillar of democracy.
- It is the guardian of the Constitution and law.
- The judiciary accords equal rights to all citizens.
- It has helped to protect fundamental rights.
- It has also been helpful in protecting the environment, women's rights and fighting corruption.
- Judges are not only the listeners but also the saviour of the people.

RASonly

Contribution of Retired Judges in Improving Legal Awareness and Dispute Settlement

- The expertise, knowledge and insight of retired judges is a valuable national resource.
- Their efforts can help to enhance legal awareness.
- They can also help in lessening the number of pending cases through alternative dispute resolution.
- Mediation, conciliation, Lok Adalat and dialogue can be quicker ways of resolving disputes.
- These also ease the burden of the courts.
- Litigation is reduced with the peaceful resolution of disputes.
- Peaceful settlement also promotes social harmony.

Quick and Transparent Justice

- Shri Patel said Prime Minister Narendra Modi wants to ensure quick and transparent justice for all.
- E-governance and Digital India will make the justice system quicker, transparent and efficient.
- Justice has been prioritised over punishment in new laws.
- The Indian Penal Code has been replaced with Bharatiya Nyaya Sanhita.
- New laws are being implemented by the State Government by training police and prosecution.
- Number of courts is being augmented.
- Work is also going on to upgrade courts so that the poor can get timely justice.

Rajasthan State Legal Services Authority

- Sanjeev Prakash Sharma, Acting Chief Justice, Rajasthan High Court, said RALSA is doing a good job in raising awareness and providing justice.
- He said that retired judges' experience is being leveraged in Lok Adalats.
- Cases are being resolved through mediation.

Innovations and Support for Legal Services

Uniform Registration Number System

- The event saw the launch of Uniform Registration Number System, an innovation of Rajasthan High Court.
- This is a significant move towards enhancing judicial registration.

RASonly

Compilation Book of Articles

- A book of articles by former judges of the Supreme Court and High Courts was published.
- The book is a culmination of the wisdom, experience and judicial insights of former judges.

Multi-Utility Vehicles

- Multi-utility vehicles were launched.
- These vehicles are to improve legal services.

Importance for RAS Examination

- The theme is relevant for Rajasthan's judiciary and legal services.
- It is important for alternative dispute resolution like mediation, conciliation and Lok Adalat.
- It illustrates the contribution of retired judges in court decongestion.
- It is important for good governance, access to justice and legal literacy.
- It also links judicial reform with Digital India, e-governance and new criminal laws, too.
- It demonstrates Rajasthan High Court's innovation with the Uniform Registration Number System.

Conclusion

The conference showed the contribution of retired judges in promotion of mediation, awareness and access to justice. The comments of CJI Justice Surya Kant and Chief Minister Bhajanlal Sharma highlighted that retired judges can help society through their knowledge and learning. The inauguration of the Uniform Registration Number System, the release of the compilation book of articles and the launching of multi-utility vehicles were all highlights for the justice system of Rajasthan.

MCQs

1. To what did CJI Justice Surya Kant compare retired judges?

A. A court register

B. A library

C. A legal notice

D. A police station

Answer: B

RASonly

Explanation : CJI Justice Surya Kant stated that retired judges are like a library where young people should read to learn something new every day. He also said that elders in society are like a traditional stepwell as they can give proper solutions to problems through their experiences.

2. What did Chief Minister Bhajanlal Sharma appeal to the people to do in case of disputes?

A. To not go to court

B. To directly file a case in the Supreme Court

C. To go first to a mediation centre or Lok Adalat then have a case filed in court

D. To make only written complaints to the police

Answer: C

3. What new initiative of Rajasthan High Court was launched in the conference?

A. Online Evidence Portal

B. Rajasthan Uniform Registration Number

C. Online Bail Monitoring System

D. Judicial Training Dashboard

Answer: B

Explanation : The Uniform Registration Number System (URN), an innovation of Rajasthan High Court, was unveiled at the conference. Also, a book of articles written by former judges of the Supreme Court and High Courts was launched and multi-utility vehicles were released to enhance and strengthen legal services.

मध्यस्थता, विधिक जागरूकता और सुलभ न्याय में सेवानिवृत्त न्यायाधीशों की भूमिका

सेवानिवृत्त न्यायाधीश संघ और राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा जयपुर के कॉन्स्टिट्यूशन क्लब में वैकल्पिक विवाद समाधान और आमजन में विधिक जागरूकता बढ़ाने में सेवानिवृत्त न्यायाधीशों की भूमिका पर सम्मेलन आयोजित किया गया। सर्वोच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने कहा कि सेवानिवृत्त न्यायाधीश एक पुस्तकालय की तरह हैं, जिनसे युवा पीढ़ी को प्रतिदिन कुछ नया सीखना चाहिए। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने भी लोगों से न्यायालय में वाद दायर करने से पहले मध्यस्थता केंद्र या लोक अदालत जाने की अपील की। आरएएस परीक्षा की दृष्टि से यह सम्मेलन महत्वपूर्ण है, क्योंकि इसमें विधिक सेवाएं, मध्यस्थता,

RASonly

लोक अदालत, न्यायिक अनुभव, सुलभ न्याय और राजस्थान में न्यायिक नवाचार जैसे विषय शामिल हैं।

सम्मेलन की प्रमुख बातें

• यह सम्मेलन सेवानिवृत्त न्यायाधीश संघ और राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा आयोजित किया गया।

• इसका आयोजन जयपुर के कॉन्स्टिट्यूशन क्लब में हुआ।

• सम्मेलन का विषय था — "सेवानिवृत्ति के बाद न्यायपीठ: वैकल्पिक विवाद समाधान के संवर्धन और आम जनता में कानून के प्रति जागरूकता में सेवानिवृत्त न्यायाधीशों की भूमिका"।

• सर्वोच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने सम्मेलन को संबोधित किया।

• राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने भी सम्मेलन को संबोधित किया।

• राजस्थान उच्च न्यायालय के नवाचार के रूप में एकरूप पंजीकरण संख्या प्रणाली का शुभारंभ किया गया।

• सर्वोच्च न्यायालय और उच्च न्यायालयों के पूर्व न्यायाधीशों द्वारा लिखे गए लेखों के संकलन की पुस्तक का विमोचन किया गया।

• विधिक सेवाओं को अधिक प्रभावी बनाने के लिए बहुउपयोगी वाहनों को रवाना किया गया।

मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति सूर्यकांत का दृष्टिकोण

वरिष्ठ न्यायाधीश ज्ञान के स्रोत

• न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने कहा कि बुजुर्ग समाज में बावड़ी की तरह होते हैं।

• वे आवश्यकता पड़ने पर किसी समस्या का सही समाधान बता सकते हैं।

• उन्होंने कहा कि न्यायाधीश हमेशा न्यायाधीश रहता है।

• वरिष्ठ न्यायाधीश युवा पीढ़ी के लिए ज्ञान का स्रोत हैं।

• युवा पीढ़ी के लिए प्रतिदिन कुछ नया सीखना महत्वपूर्ण है।

मध्यस्थता और लोक अदालत

• लोक अदालतों में सेवानिवृत्त न्यायाधीशों द्वारा की जा रही मध्यस्थता सकारात्मक परिवर्तन ला रही है।

• मध्यस्थता किसी भी समस्या का त्वरित समाधान प्रदान कर सकती है।

• न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने न्यायालय जाने से पहले लोक अदालत जाने की मुख्यमंत्री की अपील का स्वागत किया।

RASonly

मुख्यमंत्री का संबोधन

समाज में न्यायाधीशों की भूमिका

• मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि समाज न्यायाधीशों के शब्दों का अनुसरण करता है।

• न्यायाधीशों के शब्द सामाजिक परिवर्तन का आधार बनते हैं।

• उन्होंने कहा कि सर्वोच्च न्यायालय और उच्च न्यायालयों के कई ऐतिहासिक निर्णयों ने करोड़ों लोगों के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाया है।

• उन्होंने लोगों से न्यायालय जाने से पहले मध्यस्थता केंद्र या लोक अदालत जाने की अपील की।

• उन्होंने युवाओं से समाज और देश के कल्याण के लिए बुजुर्गों और अनुभवी लोगों के अनुभव का उपयोग करने का आह्वान किया।

न्यायपालिका लोकतंत्र का मजबूत स्तंभ

• मुख्यमंत्री ने कहा कि न्यायपालिका लोकतंत्र का मजबूत स्तंभ है।

• यह संविधान और कानून की संरक्षक है।

• न्यायपालिका सभी नागरिकों को समान अधिकार प्रदान करती है।

• इसने मौलिक अधिकारों की रक्षा में सहायता की है।

• इसने पर्यावरण संरक्षण, महिलाओं के अधिकारों और भ्रष्टाचार के विरुद्ध कार्रवाई में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

• न्यायाधीश केवल मामलों को सुनने वाले नहीं हैं, बल्कि न्याय की आवश्यकता रखने वाले लोगों की आशा भी हैं।

विधिक जागरूकता और विवाद समाधान में सेवानिवृत्त न्यायाधीशों का योगदान

• सेवानिवृत्त न्यायाधीशों की विशेषज्ञता, ज्ञान और न्यायिक दृष्टि राष्ट्रीय स्तर पर मूल्यवान संसाधन है।

• उनके प्रयास विधिक जागरूकता बढ़ाने में सहायक हो सकते हैं।

• वे वैकल्पिक विवाद समाधान के माध्यम से लंबित मामलों की संख्या कम करने में भी सहायता कर सकते हैं।

• मध्यस्थता, सुलह, लोक अदालत और संवाद विवादों के शीघ्र समाधान के प्रभावी तरीके हैं।

• ये तरीके न्यायालयों पर कार्यभार भी कम करते हैं।

• विवादों के शांतिपूर्ण समाधान से मुकदमेबाजी की प्रवृत्ति घटती है।

• शांतिपूर्ण समाधान सामाजिक समरसता को भी बढ़ावा देता है।

RASonly

त्वरित और पारदर्शी न्याय

• मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का लक्ष्य सभी को त्वरित और पारदर्शी न्याय उपलब्ध कराना है।

• सुशासन की डिजिटल व्यवस्था और डिजिटल इंडिया न्याय प्रणाली को तेज, पारदर्शी और प्रभावी बना रहे हैं।

• नए कानूनों में दंड के स्थान पर न्याय को प्राथमिकता दी गई है।

• भारतीय दंड संहिता के स्थान पर भारतीय न्याय संहिता लागू की गई है।

• राज्य सरकार पुलिस और अभियोजन को प्रशिक्षण देकर नए कानूनों का सफल क्रियान्वयन कर रही है।

• न्यायालयों की संख्या बढ़ाई जा रही है।

• न्यायालयों के आधुनिकीकरण का कार्य भी किया जा रहा है, ताकि आमजन को समय पर न्याय मिल सके।

राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण की भूमिका

• राजस्थान उच्च न्यायालय के कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति संजीव प्रकाश शर्मा ने कहा कि राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जागरूकता बढ़ाने और सुलभ न्याय उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

• उन्होंने कहा कि लोक अदालतों में सेवानिवृत्त न्यायाधीशों के अनुभव का उपयोग किया जा रहा है।

• मध्यस्थता के माध्यम से मामलों का समाधान किया जा रहा है।

विधिक सेवाओं के लिए नवाचार और सहयोग

एकरूप पंजीकरण संख्या प्रणाली

• कार्यक्रम में राजस्थान उच्च न्यायालय के नवाचार, एकरूप पंजीकरण संख्या प्रणाली, का शुभारंभ किया गया।

• यह न्यायिक पंजीकरण को बेहतर बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

लेखों की संकलन पुस्तक

• सर्वोच्च न्यायालय और उच्च न्यायालयों के पूर्व न्यायाधीशों द्वारा लिखे गए लेखों की पुस्तक प्रकाशित की गई।

• यह पुस्तक पूर्व न्यायाधीशों के ज्ञान, अनुभव और न्यायिक दृष्टि का संकलन है।

बहुउपयोगी वाहन

• बहुउपयोगी वाहनों को रवाना किया गया।

• इन वाहनों का उद्देश्य विधिक सेवाओं को मजबूत और अधिक सुलभ बनाना है।

RASonly

आरएएस परीक्षा के लिए महत्व

• यह विषय राजस्थान की न्यायपालिका और विधिक सेवाओं के लिए महत्वपूर्ण है।

• यह मध्यस्थता, सुलह और लोक अदालत जैसे वैकल्पिक विवाद समाधान से जुड़ा है।

• यह न्यायालयों पर भार कम करने में सेवानिवृत्त न्यायाधीशों के योगदान को दर्शाता है।

• यह सुशासन, सुलभ न्याय और विधिक जागरूकता के लिए महत्वपूर्ण है।

• यह न्यायिक सुधारों को डिजिटल इंडिया, सुशासन की डिजिटल व्यवस्था और नए आपराधिक कानूनों से भी जोड़ता है।

• यह राजस्थान उच्च न्यायालय के एकरूप पंजीकरण संख्या प्रणाली जैसे नवाचार को दर्शाता है।

निष्कर्ष

इस सम्मेलन ने मध्यस्थता, विधिक जागरूकता और सुलभ न्याय को बढ़ावा देने में सेवानिवृत्त न्यायाधीशों की भूमिका को रेखांकित किया। मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति सूर्यकांत और मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के विचारों ने स्पष्ट किया कि सेवानिवृत्त न्यायाधीश अपने ज्ञान और अनुभव से समाज का मार्गदर्शन कर सकते हैं। एकरूप पंजीकरण संख्या प्रणाली का शुभारंभ, लेखों के संकलन की पुस्तक का विमोचन और बहुउपयोगी वाहनों को रवाना करना राजस्थान की न्याय प्रणाली के लिए महत्वपूर्ण कदम रहे।

बहुविकल्पीय प्रश्न

1. मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने सेवानिवृत्त न्यायाधीशों की तुलना किससे की?

A. न्यायालय पंजी
B. पुस्तकालय
C. विधिक सूचना
D. पुलिस थाना

उत्तर: B

व्याख्या: मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने कहा कि सेवानिवृत्त न्यायाधीश पुस्तकालय की तरह हैं, जिनसे युवा पीढ़ी को प्रतिदिन कुछ नया सीखना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि समाज में बुजुर्ग पारंपरिक बावड़ी की तरह होते हैं, क्योंकि वे अपने अनुभवों के माध्यम से समस्याओं का उचित समाधान दे सकते हैं।

---

2. मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने विवादों के मामले में लोगों से क्या अपील की?

A. न्यायालय न जाने की
B. सीधे सर्वोच्च न्यायालय में मामला दायर करने की
C. न्यायालय में वाद दायर करने से पहले मध्यस्थता केंद्र या लोक अदालत जाने की
D. केवल पुलिस को लिखित शिकायत देने की

RASonly

उत्तर: C

व्याख्या: मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने लोगों से अपील की कि वे न्यायालय में वाद दायर करने से पहले मध्यस्थता केंद्र या लोक अदालत जाएं। उन्होंने कहा कि मध्यस्थता, सुलह, लोक अदालत और संवाद विवादों का शीघ्र समाधान करने, न्यायपालिका पर दबाव कम करने और सामाजिक शांति तथा समरसता बनाए रखने में सहायक हैं।

---

3. सम्मेलन में राजस्थान उच्च न्यायालय का कौन-सा नवाचार शुरू किया गया?

A. ऑनलाइन साक्ष्य पोर्टल
B. एकरूप पंजीकरण संख्या प्रणाली
C. ऑनलाइन जमानत निगरानी प्रणाली
D. न्यायिक प्रशिक्षण प्रणाली

उत्तर: B

व्याख्या: सम्मेलन में राजस्थान उच्च न्यायालय के नवाचार, एकरूप पंजीकरण संख्या प्रणाली, का शुभारंभ किया गया। इसके साथ ही सर्वोच्च न्यायालय और उच्च न्यायालयों के पूर्व न्यायाधीशों द्वारा लिखे गए लेखों की संकलन पुस्तक का विमोचन किया गया और विधिक सेवाओं को अधिक सुलभ व सशक्त बनाने के लिए बहुउपयोगी वाहनों को रवाना किया गया।

Phalodi Becomes Champions in 16th Junior State-Level Women's Hockey

The team from Phalodi defeated Hanumangarh 1-0 in the final to claim victory in the 16th Junior State-Level Women's Hockey Championship. Suraj Maidan in Adarsh Nagar hosted the final. Phalodi performed well in the tournament and lifted the state-level trophy after scoring the only goal in the final. This success is significant for the RAS exam as it focuses on women's sports, state-level sports, talent promotion for the youth and development of hockey in Rajasthan.

Highlights of the Championship

- Phalodi won the 16th Junior State-Level Women's Hockey Championship.
- Adarsh Nagar, Suraj Maidan hosted the final match.
- Phalodi beat Hanumangarh in the final by 1-0.
- It was a very competitive match, with both Phalodi and Hanumangarh putting up a good fight.
- Phalodi took the lead and scored a goal.
- Hanumangarh also played well but failed to score.
- Sikar finished the game in third place.
- Nagaur came fourth.

Performance of Phalodi Team

- Phalodi showed outstanding team spirit.
- Phalodi were calm in the final.
- Phalodi's goal helped the team claim the state championship.
- It shows the progress of women's hockey in Rajasthan.

Importance of Women's Hockey Competitions

- These tournaments offer opportunities to young women athletes.
- They help nurture talent in Rajasthan.
- They promote participation of girls in competitive sports.
- They promote sports culture at both district and state level.
- And they empower women through sports.

Award and Motivation

- MLA of Hawa Mahal, Balmukund Acharya, was the chief guest of the closing ceremony.
- Guest speakers at the ceremony inspired the players.
- Secretary of Rajasthan Hockey Association, Dr. Pavitra Singh Bishnoi congratulated the winners and the runners-up.
- He added that such tournaments help in the development of women's hockey.
- Various teams from the state took part in the event.
- Many people cheered the players.

RASonly

Importance for RAS Examination

- It is an event of Rajasthan current affairs (sports).
- It shows the role of women in state hockey.
- It is useful for questions related to youth empowerment through sports.
- It can be used to answer questions about women empowerment in sports.
- It also shows the role of the district in Rajasthan's sports culture.

Conclusion

Phalodi's win in the 16th Junior State-Level Women's Hockey Championship is a significant milestone for women's sports in Rajasthan. Fhalodi's 1-0 victory over Hanumangarh in the final showcased its competitive prowess. This event also raised women's hockey, inspired young players and provided opportunities for young talent in the state.

MCQs

1. Who won the 16th Junior State-Level Women's Hockey Championship?

A. Hanumangarh

B. Sikar

C. Phalodi

D. Nagaur

Answer: C

2. Who did Phalodi beat in the final?

A. Sikar

B. Hanumangarh

C. Nagaur

D. Jaipur

Answer: B

Phalodi won the final of the 16th Junior State-Level Women's Hockey Championship by 1-0 against Hanumangarh. Despite putting in a good fight, Hanumangarh failed to get an equaliser and Phalodi emerged as the winner.

3. Who finished in third and fourth places in the championship?

RASonly

A. Sikar and Nagaur

B. Nagaur and Sikar

C. Jaipur and Sikar

D. Hanumangarh and Nagaur

Answer: A

Explanation : In the 16th Junior State-Level Women's Hockey Championship, Sikar finished in the third position, while Nagaur finished in the fourth position. Phalodi secured the first position while Hanumangarh secured the second position after losing the final 1-0.

16वीं कनिष्ठ राज्य स्तरीय महिला हॉकी प्रतियोगिता में फलोदी बनी विजेता

फलोदी की टीम ने फाइनल मुकाबले में हनुमानगढ़ को 1-0 से हराकर **16वीं कनिष्ठ राज्य स्तरीय महिला हॉकी प्रतियोगिता** का खिताब जीत लिया। फाइनल मुकाबला आदर्श नगर स्थित सूरज मैदान में खेला गया। फलोदी ने पूरे टूर्नामेंट में अच्छा प्रदर्शन किया और फाइनल में एकमात्र गोल करके राज्य स्तरीय ट्रॉफी अपने नाम की। आरएएस परीक्षा की दृष्टि से यह सफलता महत्वपूर्ण है, क्योंकि यह महिला खेल, राज्य स्तरीय खेल प्रतियोगिताओं, युवा प्रतिभा प्रोत्साहन और राजस्थान में हॉकी के विकास से जुड़ी है।

प्रतियोगिता की प्रमुख बातें

• फलोदी ने 16वीं कनिष्ठ राज्य स्तरीय महिला हॉकी प्रतियोगिता जीती।

• फाइनल मुकाबला आदर्श नगर स्थित सूरज मैदान में आयोजित हुआ।

• फलोदी ने फाइनल में हनुमानगढ़ को 1-0 से हराया।

• यह मुकाबला बहुत प्रतिस्पर्धी रहा, जिसमें फलोदी और हनुमानगढ़ दोनों टीमों ने अच्छा संघर्ष किया।

• फलोदी ने बढ़त बनाते हुए गोल किया।

• हनुमानगढ़ ने भी अच्छा खेल दिखाया, लेकिन गोल नहीं कर सकी।

• सीकर ने प्रतियोगिता में तीसरा स्थान प्राप्त किया।

• नागौर चौथे स्थान पर रहा।

फलोदी टीम का प्रदर्शन

• फलोदी ने शानदार टीम भावना दिखाई।

RASonly

• फाइनल मुकाबले में फलोदी की टीम शांत और संतुलित रही।

• फलोदी के गोल ने टीम को राज्य स्तरीय विजेता बनाया।

• यह राजस्थान में महिला हॉकी की प्रगति को दर्शाता है।

महिला हॉकी प्रतियोगिताओं का महत्व

• ऐसी प्रतियोगिताएं युवा महिला खिलाड़ियों को अवसर प्रदान करती हैं।

• ये राजस्थान में खेल प्रतिभा को निखारने में सहायक हैं।

• ये लड़कियों की प्रतिस्पर्धी खेलों में भागीदारी को बढ़ावा देती हैं।

• ये जिला और राज्य दोनों स्तरों पर खेल संस्कृति को मजबूत करती हैं।

• ये खेलों के माध्यम से महिला सशक्तीकरण को भी बढ़ावा देती हैं।

पुरस्कार और प्रेरणा

• समापन समारोह में हवा महल विधायक बालमुकुंद आचार्य मुख्य अतिथि रहे।

• समारोह में उपस्थित अतिथियों ने खिलाड़ियों को प्रेरित किया।

• राजस्थान हॉकी संघ के सचिव डॉ. पवित्र सिंह बिश्नोई ने विजेता और उपविजेता टीमों को बधाई दी।

• उन्होंने कहा कि ऐसी प्रतियोगिताएं महिला हॉकी के विकास में सहायक हैं।

• राज्य की विभिन्न टीमों ने इस प्रतियोगिता में भाग लिया।

• बड़ी संख्या में लोगों ने खिलाड़ियों का उत्साह बढ़ाया।

आरएएस परीक्षा के लिए महत्व

• यह राजस्थान की खेल संबंधी समसामयिक घटना है।

• यह राज्य स्तरीय हॉकी में महिलाओं की भूमिका को दर्शाता है।

• यह खेलों के माध्यम से युवा सशक्तीकरण से जुड़े प्रश्नों के लिए उपयोगी है।

• इसका उपयोग खेलों में महिला सशक्तीकरण से जुड़े उत्तरों में किया जा सकता है।

• यह राजस्थान की खेल संस्कृति में जिलों की भूमिका को भी दर्शाता है।

निष्कर्ष

16वीं कनिष्ठ राज्य स्तरीय महिला हॉकी प्रतियोगिता में फलोदी की जीत राजस्थान में महिला खेलों के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। फाइनल में हनुमानगढ़ पर फलोदी की 1-0 से जीत ने उसकी प्रतिस्पर्धी क्षमता को सिद्ध किया। इस प्रतियोगिता ने महिला हॉकी को बढ़ावा दिया, युवा खिलाड़ियों को प्रेरित किया और राज्य की उभरती खेल प्रतिभाओं को अवसर प्रदान किया।

RASonly

बहुविकल्पीय प्रश्न

1. 16वीं कनिष्ठ राज्य स्तरीय महिला हॉकी प्रतियोगिता किसने जीती?

A. हनुमानगढ़
B. सीकर
C. फलोदी
D. नागौर

उत्तर: C

व्याख्या: फलोदी ने 16वीं कनिष्ठ राज्य स्तरीय महिला हॉकी प्रतियोगिता का खिताब जीता। उसने फाइनल में हनुमानगढ़ को 1-0 से हराया। यह मुकाबला आदर्श नगर स्थित सूरज मैदान में खेला गया, जहां फलोदी ने एकमात्र गोल करके राज्य स्तरीय ट्रॉफी अपने नाम की।

---

2. फलोदी ने फाइनल मुकाबले में किस टीम को हराया?

A. सीकर
B. हनुमानगढ़
C. नागौर
D. जयपुर

उत्तर: B

व्याख्या: फलोदी ने 16वीं कनिष्ठ राज्य स्तरीय महिला हॉकी प्रतियोगिता के फाइनल में हनुमानगढ़ को 1-0 से हराया। हनुमानगढ़ ने अच्छा संघर्ष किया, लेकिन बराबरी का गोल नहीं कर सकी और फलोदी विजेता बनकर उभरी।

---

3. प्रतियोगिता में तीसरा और चौथा स्थान क्रमशः किसने प्राप्त किया?

A. सीकर और नागौर
B. नागौर और सीकर
C. जयपुर और सीकर
D. हनुमानगढ़ और नागौर

उत्तर: A

व्याख्या: 16वीं कनिष्ठ राज्य स्तरीय महिला हॉकी प्रतियोगिता में सीकर ने तीसरा स्थान प्राप्त किया, जबकि नागौर चौथे स्थान पर रहा। फलोदी ने प्रथम स्थान प्राप्त किया और हनुमानगढ़ फाइनल में 1-0 से हारने के बाद दूसरे स्थान पर रहा।

RASonly

RASonly